पाठ-9

चलो, तेजपुर चलें

आज सुबह से प्रियम बहुत खुश व उत्साहित है। वह नहा-धोकर तैयार है। इसी बीच उसने माँ को जोर से आवाज दी।

प्रियम : माँ, जल्दी करो, छह बजे से पहले हमें स्कूल पहुँचना है।

माँ : सब सामान तैयार हैं न? तुम्हारे कपड़े, पानी की बोतल, साबुन आदि। एक बार ठीक से देख लो।

प्रियम : हाँ, ठीक है। मैं भी तैयार हो गया।

प्रियम जल्दी-जल्दी घर से स्कूल की ओर निकल गया। गोलाघाट के मरंगी दीननाथ हाईस्कूल के प्रवेश द्वार के सामने एक टूरिस्ट बस खड़ी है। आज से गर्मी की छुट्टी शुरू हो गई है। छठी कक्षा के 35 विद्यार्थी और दो शिक्षक सहित कुल 37 लोग शैक्षिक भ्रमण हेतु ऐतिहासिक स्थल तेजपुर के लिए तैयार हैं। करीब छह बजे बस तेजपुर के लिए रवाना हुई। बस धीरे-धीरे नुमलीगढ़ होकर आगे बढ़ी। विद्यार्थी काफी जोश में थे। शिक्षक की अनुमति लेकर उन्होंने अंत्याक्षरी शुरू कर दी-

एक, दो, तीन, चार
बैठे-बैठे क्या करें
करना है कुछ काम
शुरू करें अंत्याक्षरी
लेकर प्रभु के नाम।

बस बोकाखात में जा रुकी।

खलासी : (ऊँची आवाज में) यहाँ बस 15 मिनट रुकेगी। आप लोग चाय-नाश्ता कर लीजिए।

शिक्षक की अनुमति से सभी बच्चे एक-एक कर बस से उतरे। वहाँ एक होटल में सभी ने सुबह का नाश्ता कर लिया। बस फिर आगे बढ़ी।

इसी बीच शिक्षक खड़े होकर बोले- देखो बच्चो, हम अब काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हैं। तुम्हें मालूम है, यह उद्यान किसलिए मशहूर है ?

रीना : जी, महाशय। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंड़े के लिए मशहूर है।

शिक्षक : इसके अलावा काजीरंगा में क्या-क्या वन्यजीव मिलते हैं ?

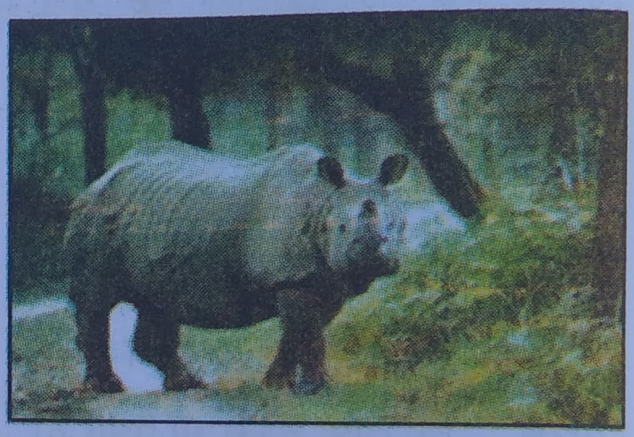

जगदीश : महाशय, काजीरंगा में गैंड़े के अलावा जंगली भैंस, हाथी, बाघ, भालू, विविध प्रजातियों के हिरन, खरगोश एवं दुर्लभ प्रजाति के पक्षी आदि उपलब्ध हैं।

वहाँ से बस कलियाभोमोरा पुल पार कर सुबह लगभग साढ़े दस बजे तेजपुर आ पहुँची।

शिक्षक : तुम लोग सब तैयार हो जाओ। अब हम तेजपुर शहर के दर्शनीय स्थलों के दर्शन करेंगे। जानते हो तेजपुर का पुराना नाम शोणितपुर है। यहाँ वाण नामक एक प्रसिद्ध राजा हुए थे।

शिक्षक : बच्चो, अब हम महाभैरव मंदिर के दर्शन करेंगे।

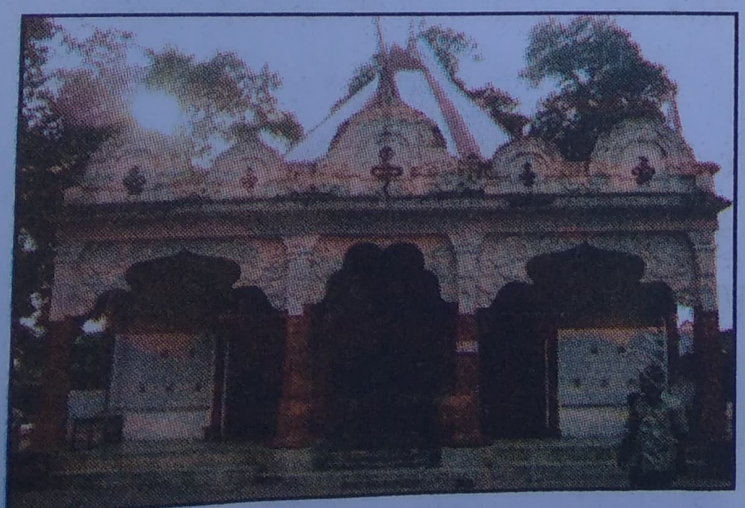

सबने मंदिर में प्रवेश किया। वहाँ से बस अग्निगढ़ के पास जा रुकी।

शिक्षक : बच्चो, अब हम अग्निगढ़ के दर्शन करेंगे। अग्निगढ़ के साथ एक सुंदर पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। अग्निगढ़ का निर्माण भी राजा वाण ने ही करवाया था। तुम में से कोई वाण की पुत्री का नाम बता पाओगे ?

संजना : जी महाशय, राजा वाण की बेटी का नाम ऊषा था। वह एक अपूर्व सुंदरी थी।

शिक्षक : हाँ! यह तो है, साथ ही वह एक कुशल नृत्यांगना भी थी।

अमल : महाशय, आप हमें एक कहानी सुनाने वाले थे।

शिक्षक : हाँ, हाँ। आओ, यहाँ आराम से बैठकर सुनो। राजा वाण ने अपनी कन्या ऊषा को सुरक्षित रखने के लिए अग्निगढ़ का निर्माण करवाया था। राजकुमारी ऊषा का प्रेम भगवान श्रीकृष्ण के पोते अनिरुद्ध से हुआ था। बच्चो, क्या तुम में से कोई बता पाओगे, ऊषा की सखी कौन थी?

जहानारा: जी महाशय, ऊषा की सखी चित्रलेखा थी। वह वर्णन सुनकर ही चित्र का अंकन कर सकती थी।

मनोज : महाशय, आगे क्या हुआ?

शिक्षक : हाँ, अनिरुद्ध और ऊषा के प्रेम को राजा वाण की सहमति नहीं थी। इसी बात को लेकर श्रीकृष्ण और वाण के बीच लड़ाई हुई थी।

अग्निगढ़ से निकल कर बस शहर में स्थित पूर्वोत्तर के एकमात्र मानसिक अस्पताल लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में जा रुकी। अस्पताल देखने के बाद बच्चों को कोलपार्क ले जाया गया। वे पार्क में काफी देर तक खेले। तेजपुर में बच्चों को वाण थिएटर, बामुनी पहाड़ समेत कई ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन करवाए गए।

तब तक सूरज ढल चुका था। बस गोलाघाट की ओर वापस मुड़ी। बच्चों ने फिर अंत्याक्षरी आरंभ कर दी। रात को नौ बजे बस स्कूल के गेट के सामने जा रुकी। वहाँ अपने-अपने माता-पिता को देखकर बच्चे खुशी से उछल पड़े। सभी अपने-अपने अभिभावकों के साथ घर चल दिए।

अभ्यास-माला

1. तुमलोग अपने द्वारा किए गए किसी भ्रमण के बारे में कक्षा में सुनाओ।
2. क्या, तुम कभी शैक्षिक भ्रमण पर गए हो ?

(क) यदि गए हो तो-	(ख) यदि नहीं गए हो तो-
☞ कहाँ गए थे ? ☞ किनके साथ गए थे ? ☞ कितने लोग गए थे ? ☞ तुम अपने साथ क्या-क्या ले गए थे ? ☞ वहाँ तुम्हारे सबसे अधिक पसंद का स्थल क्या था ? ☞ मानचित्र की मदद से यात्रा-मार्ग को चिह्नित करो।	☞ कहीं जाने की योजना बनाओ। ☞ किनके साथ जाओगे ? ☞ कहाँ से किस स्थान तक जाओगे ? ☞ यात्रा के दौरान किस-किस स्थल के दर्शन करोगे ? ☞ बीच में कहीं रुकोगे क्या ? ☞ यात्रा में अपने साथ क्या-क्या ले जाओगे ? ☞ मानचित्र की मदद से यात्रा-मार्ग को चिह्नित करो।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) पाठ में किस स्थान के भ्रमण के बारे में उल्लेख है ?

(ख) काजीरंगा किसलिए मशहूर है ?

(ग) काजीरंगा के अलावा असम के अन्य दो राष्ट्रीय उद्यानों के नाम लिखो। वे किस-किस जिले में हैं ?

(घ) पाठ में आए वन्यजीवों के नामों के अलावा किन्हीं अन्य पाँच वन्यजीवों के नाम लिखो।

(ङ) वाण की पुत्री कौन थी ? उसकी सखी कौन थी ?

(च) अग्निगढ़ का निर्माण किसने करवाया था ?

4. पालतू और जंगली होने के आधार पर वृत्त में दिए गए पशुओं के नाम सूची में भरो:

पालतू	जंगली

5. नीचे लिखे संयुक्त वर्णों का विच्छेद करो :

द्य = द् + य	स्त = स् + त	त्त = ... + ...
च्च = ... + ...	क्य = ... + ...	ण्य = ... + ...
न्ध = ... + ...	ल्ल = ... + ...	ह्न = ... + ...

6. आओ, समूह में बैठकर वाक्य बनाने का खेल खेलें :

विद्यालय : हमारा विद्यालय बहुत सुंदर है।

विद्यालय में हम पढ़ते हैं।

हम विद्यालय में खेलते भी हैं।

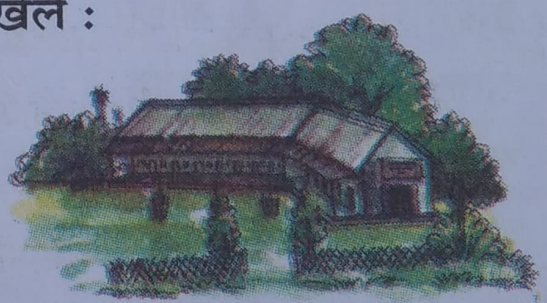

इस प्रकार निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ :

प्रसिद्ध द्वार भ्रमण क्षेत्र आनन्द ज्ञान छुट्टी

7. आओ, रेखा खींचकर मिलाएँ :

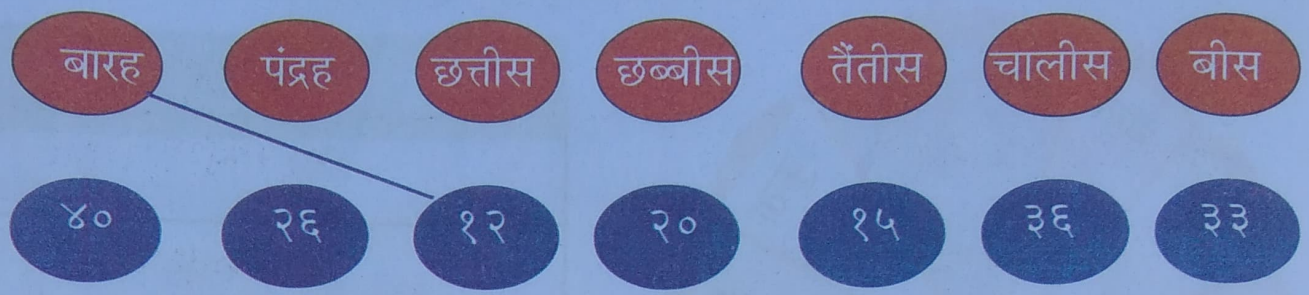

8. आओ, खाली जगहों को अंकों से भरें :

११					१६							२३		
	२७					३२				३६				
४१					४६				५०				५४	

9. आओ, संख्याओं का ज्ञान प्राप्त करें :

छियालीस	४६	सैंतालीस	४७	अड़तालीस	४८	उनचास	४९	पचास	५०
इकतालीस	४१	बयालीस	४२	तैंतालीस	४३	चौवालीस	४४	पैंतालीस	४५
छत्तीस	३६	सैंतीस	३७	अड़तीस	३८	उन्तालीस	३९	चालीस	४०
इकतीस	३१	बत्तीस	३२	तैंतीस	३३	चौंतीस	३४	पैंतीस	३५
छब्बीस	२६	सत्ताइस	२७	अट्ठाइस	२८	उनतीस	२९	तीस	३०
इक्कीस	२१	बाईस	२२	तेईस	२३	चौबीस	२४	पच्चीस	२५
सोलह	१६	सत्रह	१७	अट्ठारह	१८	उन्नीस	१९	बीस	२०
ग्यारह	११	बारह	१२	तेरह	१३	चौदह	१४	पंद्रह	१५
छह/छः	६	सात	७	आठ	८	नौ	९	दस	१०
⇒ एक	१	दो	२	तीन	३	चार	४	पाँच	५

शिक्षण संकेत

शिक्षक-शिक्षिका हिंदी संखाओं का सही उच्चारण स्वयं करके विद्यार्थियों को सुनाएँ फिर, बारी-बारी से दोहराने के लिए वच्चों को प्रेरित करें।

10. रेखा खींचकर मिलाओ :

भाग 'क'	भाग 'ख'
क) महाभैरव मंदिर	क) राष्ट्रीय उद्यान
ख) लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल	ख) चित्रकार
ग) चित्रलेखा	ग) राजकुमारी
घ) ऊषा	घ) तेजपुर
ङ) काजीरंगा	ङ) मानसिक अस्पताल

11. परियोजना :

(क) वन्यजीवों, पालतू जीवों और पक्षियों के चित्रों का संग्रह कर एलबम बनाओ।

(ख) दूरदर्शन द्वारा प्रसारित किसी भ्रमण-वृत्तांत को संक्षेप में प्रस्तुत करो।

12. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

खुश	=	आनंद	दर्शन	=	देखना
तैयार	=	प्रस्तुत होना	पौराणिक	=	पुराण से संबधित
टूरिस्ट	=	पर्यटक	कन्या	=	बेटी
स्थल	=	स्थान, जगह	कुशल	=	निपुण
रवाना	=	गमन, जाना	नृत्यांगना	=	नृत्य करने वाली
जोश	=	उत्साह	निर्माण	=	बनाना
मशहूर	=	विख्यात, प्रसिद्ध			